मुहर्रम दश गत्तेको बर्तको महत्व | (नेपाली) نیپالی

अबू क़दादः (रज़ी अल्लाहु अन्हु)   ले भन्नु भयो कि: रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमले भन्नु भयो कि मलाइ अल्लाह देखि आशाछ कि आशुराको बर्तले एक साल पहिलोको पापलाई क्षमा गरिने छ | (मुस्लिम)

मुहर्रमको बर्तको तीन दर्जाहरु छन् :

१- पुर्न्तुत्तम : १० मुहर्रमको साथ् एक दिन अघि र पछि को बर्त बस्नु | अर्थात् तीन दिन को बर्त बस्नु |
२- १० मुहर्रमको साथ एक दिन अघि वा पछिको बर्त बस्नु | अर्थात् : दुई दिनको बर्त बस्नु
३- १० मुहर्रमको बर्त बस्नु | अर्थात् एक दिन मात्र दश मुहर्रमकोबर्त बस्नु |

मुहर्रम के रोज़े की अहमियत | (हिंदी) هندي

अबू क़दादः रज़िअल्लहु अन्हु से रिवायत है कि ! रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहे व सल्लम ने फरमाया कि मुझे अल्लाह पाक से उम्मीद है कि मुहररम का रोज़ह पिछले एक सालका गुनाह माफ़ करदेगा (मुस्लिम)

मुहर्रम के रोज़े के तीन दर्जे हैं :

सौत्त्मा : तीनदिन का रोज़ा रखना – (९-१०-११-मुहर्रम) |

उत्तम : दो दिन का रोज़ा रखना (९-१० या १० -११ मुहर्रम) |

मुस्तहब : केवल एक दिन का रोज़ा रखना (१० मुहर्रम) |